तापमान

अधिकतम 30.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
रत्न भूमि

रायपुर, मंगलवार 24 मार्च 2026

11 कुडेरादादर में रोहित साहू ने की 10 लाख के टीन शेड की...

12 चैत्र नवरात्रि की पंचमी पर देवी मंदिरों में उमड़ा...

नवरात्रि विशेष

षष्ठमः कात्यायनी

मां भगवती का छठा रूप कात्यायनी का है। छठे नवरात्रि को मां की इसी स्वरूप की पूजा होती है। ऐसा विश्वास है कि कात्यायनी के गोत्र में महर्षि कात्यायन हुए थे। उनकी इच्छा थी कि मां भगवती उनके घर पुत्री रूप में जन्म लें। उन्हेंने कठोर तप किया। भगवती ने उनकी प्रार्थना स्वीकार कर उनके घर पुत्री रूप में जन्म लिया। इसलिए उनका नाम कात्यायनी पड़ा। यह भी माना जाता है। कि जब पृथ्वी पर महिषासुर के अत्याचार बहुत बढ़ गए, तब भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों ने अपने -अपने तेज का अंश देकर महिषासुर के विनाश के लिए एक देवी को उत्पन्न किया। महर्षि कात्यायन ने सबसे पहले इनकी पूजा की। इस कारण से भी यह कात्यायनी कहलाई। ऐसी भी कथा है कि भगवती महर्षि कात्यायन के घर पुत्री रूप में जन्मी थी। आश्विन कृष्ण चतुर्दशी को जन्म लेकर शुक्ल सप्तमी, अष्टमी और नवमी तक तीन दिन इन्होंने कात्यायन की पूजा ग्रहण कर दशमी को महिषसुर का वध किया था। ऐसी भी कथा है कि कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए गोपियों ने कालिंदी-यमुना के तट पर कात्यायनी मां पूजा की थी। यह ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित है। कात्यायनी प्रकृति की क्रियात्मक शक्ति है जो मन का तत्वात्मक रूप से संचालन करती है। इनकी आठ भुजाएं हैं। इनका वर्ण स्वर्ण समान है। इनकी पूजा से भक्त इनके पास रहकर परमपद प्राप्त करता है।भगवती कात्यायनी की आराधना का श्लोक है-
चंदहासोज्ज्वलकरा
शार्दूलवरवाहना।

टाइगर रिजर्व में जल संकट दूर करने की अनूठी पहल, 10 दिनों में तैयार किए 250 झिरिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

हर बीट में बनेंगे 10-10 झिरिया,1500 का है लक्ष्य

भीषण गर्मी की दस्तक के साथ ही जंगलों में जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है, जिससे नदी-नाले और तालाब सूखने लगे हैं। वन्यप्राणियों को पानी के लिए भटकना न पड़े, इसके लिए उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व** प्रबंधन ने एक शानदार पहल की है। उपनिदेशक वरुण जैन के नेतृत्व में विश्व जल दिवस के अवसर पर श्रमदान के माध्यम से महज 10 दिनों के भीतर 250 'झिरिया' (छोटे जल स्त्रोत) का निर्माण कर लिया गया है। वन विभाग ने पूरे टाइगर रिजर्व क्षेत्र में कुल 1500 झिरिया तैयार करने का विशाल लक्ष्य रखा है। इस अभियान के तहत रिजर्व के सभी 143 बीटों में कम से कम 10-10 झिरिया बनाने की योजना है। इन झिरियों का मुख्य उद्देश्य गर्मी के मौसम में वन्य प्राणियों को उनके प्राकृतिक आवास के भीतर ही पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। वन विभाग का मानना है कि इस पहल से 'मानव और वन्यप्राणी संघर्ष' में काफी हद तक कमी आएगी। अक्सर जल स्त्रोत सूख जाने पर जंगली जानवर पानी की तलाश में आबादी वाले क्षेत्रों की ओर रुख करते हैं, जिससे जान-माल के नुकसान का खतरा बना रहता है। जंगल के भीतर ही पर्याप्त पानी उपलब्ध होने से जानवर सुरक्षित रहेंगे और रिहायशी इलाकों की ओर नहीं आएंगे। स्थानीय वन अमले और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से यह कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है, जो सामूहिक जिम्मेदारी और पर्यावरण ▶▶|शेष पेज 11 पर

जल संकट : ग्राम कोलियारी का तालाब सूखकर भाठा बन गया

बढ़ती गर्मी का कहर, मार्च के अंत में ही सूखने लगे जलस्त्रोत, जनजीवन प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

ग्राऊंड-रिपोर्ट

क्षेत्र में मार्च माह के समाप्ति की ओर बढ़ते ही गर्मी ने अपना तीखा रूप दिखाना शुरू कर दिया है। तेज धूप और लगातार बढ़ते तापमान के चलते नदी-नाले और तालाब तेजी से सूखने लगे हैं, जिससे आने वाले समय में जल संकट की आशंका गहराने लगी है। तस्वीर में दिख रही तालाब नवापारा शहर से लगे कोलियारी गांव की है। तालाब पूरी तरह से सुखकर भांठा हो चुका है। ऐसे ही अभी से ही कई इलाकों में पानी की कमी साफ नजर आने लगी है, जिससे आमजन के साथ-साथ पशु-पक्षियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी चिंताजनक होती जा रही है। कई ऐसे तालाब और जलस्त्रोत हैं, जहाँ अब पानी पूरी तरह समाप्त हो चुका है या अंतिम अवस्था में है। इन जलस्त्रोतों पर ही ग्रामीणों की दैनिक जरूरतें-निस्तारी, पशुओं के लिए पानी और पेयजल-निर्भर रहती हैं। ऐसे में जलस्त्रोतों के सूखने से लोगों के सामने गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। पेयजल की आपूर्ति को लेकर भी हालात बिगड़ते नजर आ रहे हैं। कई जगहों पर हैंडपंपों का जलस्तर नीचे चला गया है, जिससे पानी निकलना मुश्किल हो गया है। वहीं, नलों से मिलने वाला पानी भी अनियमित हो गया है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, ▶▶|शेष पेज 11 पर

गंगरेल जलाशय से पानी छोड़ने की मांग

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं किसान नेता धनेंद्र साहू ने अभनपुर विधानसभा क्षेत्र में उत्पन्न गंभीर जल संकट की ओर शासन का ध्यान आकर्षित किया है। श्री साहू ने बताया कि अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में स्थित तालाब लगातार बढ़ती गर्मी के कारण तेजी से सूखते जा रहे हैं। साथ ही क्षेत्र के बोरवेलों का जलस्तर भी काफी नीचे चला गया है, जिससे मार्च माह से ही ग्रामीणों के सामने निस्तारी, पेयजल एवं दैनिक उपयोग के लिए पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है। श्री साहू ने जनहित में शासन से मांग की है कि गंगरेल बांध से महानदी की मुख्य नहर में शीघ्र पानी छोड़ा जाए, ताकि क्षेत्र के सूखते तालाबों को पुनः भरा जा सके। इससे न केवल जलस्तर में सुधार होगा, बल्कि ग्रामीणों को राहत मिलेगी।

वार्ड 13 की खुली नाली हादसे को दे रहा न्योता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

नगर पंचायत के वार्ड 13 में पंडित दीनदयाल गार्डन जाने के मार्ग पर कई महिनों से नाली पर बना हुआ ढक्कन नाली के अंदर गिर जाने से दिन सहित रात मे इस मार्ग से गुजरने वाले नागरिकों सहित बच्चों का जान जोखिम में है। नगर पंचायत के कर्मचारी सहित अधिकारी को इस बात की सूचना दी जा चुकी है लेकिन आज पर्यंत तक इस ढक्कन को लगाने का प्रयास नहीं किया गया। शायद नगर पंचायत के अधिकारी कर्मचारी रास्ते मे इस खुली नाली मे किसी के गिरने का इंतजार कर रहे हैं। बतो दे कि इस नाली का निर्माण किसानों के खेतों मे पानी ले जाने के नाम से किया गया था जो आज तक पूरी नहीं बन पाई है। इस नाली की गहराई लगभग 5 फीट से अधिक है जो पास एरिये से गुजरता है। इस नाली का निर्माण वार्ड वासियों के मना करने के बाद भी पूर्व सीएमओ एवं इंजिनियर के द्वारा कराया गया है जो आज किसी काम का नही है। इस नाली का नियमित सफाई भी बंद है। इस नाली के चलते इस मार्ग पर चलने वाले छोटे- छोट बच्चे जो सायकिल चलाते हुए तेज गति से गुजरते है उनका इस बिना ढक्कन के नाली मे गिरने का अंदेशा बना रहता है। वार्ड वासियों ने नगर पंचायत के अध्यक्ष राजेन्द्र धनराज सूर्यवंशी एवं सीएमओ से इस खुले नाली पर ढक्कन लगाने की गोहार लगाई हैं।

खबर संक्षेप

रामनवमी पर शोभायात्रा 26 मार्च को निकलेगी

फिंगेश्वर। नगर में रामनवमी का पर्व सर्व हिंदू समाज एवं विश्व हिंदू परिषद तथा बजरंग दल द्वारा 26 मार्च को धूमधाम से भक्तिपूर्ण मनाया जायेगा। कार्यक्रम को लेकर नगर के प्रमुख चौक चौराहों मे स्वागत द्वारा एवं बेनर पोष्टर सहित झंडे एवं तोरण सजाए जा रहे हैं।

कार्यक्रम 26 मार्च को शाम को 4 बजे से सरस्वती शिशु मंदिर मैदान से प्रारंभ होकर नए बस स्टेड के पास समापन होगा। भगवान श्रीराम चंद्र की भव्य झांकी की शोभायात्र महाआरती के प"चात निकाली जायेगी। वही पर शस्त्र पूजन भी किया जायेगा। कार्यक्रम को लेकर विभिन्न वेशभूशा मे कलाकर भी इस शोभायात्र मे शामिल होंगे जिसमे भगवान राम एवं हनुमान की झांकी, कटप्पा कालकेय झांकी ग्रुप, किंगकांग गुरिल्ला झांकी ग्रुप आखड़ा ग्रुप, राउत नाचा, दुर्गावाहिनी मातृशक्तिया प्रसिद्ध मां तारिणी धूमाल भी होगा। कार्यक्रम को लेकर आयोजक समिति के द्वारा भगवान राम की महिमा बढ़ाने नगर सहित अंचल के रामभक्तों को आंमत्रित किया गया है।

शिव महापुराण की कथा आज से होगी

अभनपुर। नगर के ऊपर पारा मोहल्ला स्थित दुर्गा मंच में श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह 24 से 31 मार्च तक होगा। कार्यक्रम हल्ला वासियों एवं वार्ड क्रमांक 9 एवं 10 के पार्षद रूप नारायण साहू तथा श्रीमती मीना साहू के विशेष सहयोग से किया जा रहा है। आयोजन समिति के घासु राम साहू से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कथा का शुभारंभ 24 मार्च, को चचुला विन्दुक कथा के साथ होगा। कथा के व्यास पीठ पर वृंदावन से पधारे परम पूज्य पंडित श्री रामनाथ तिवारी जी विराजमान रहेंगे, जो प्रतिदिन श्रद्धालुओं को शिव महापुराण एवं भागवत कथा का रसपान कराएंगे।

उल्लास साक्षरता परीक्षा 30 केंद्रों में एक हजार ने दी

अभनपुर। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण छत्तीसगढ़ के निर्देश एवं कलेक्टर तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन में विकासखंड अभनपुर में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएनएटी) मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत लगभग 30 परीक्षा केंद्रों में करीब 1 हजार परीक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा में हर आयु वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शासकीय प्राथमिक शाला सारखी में 75 वर्षीय पुनई बाई ने अपनी बहुओं अहिल्या उम्र 40 वर्ष और धनेश्वरी उम्र 34 वर्ष के साथ परीक्षा दी। वहीं चम्पाझर में 75 वर्षीय मणिराम निषाद और देवारभांठा में 83 वर्षीय इतवारी पाल सहित अन्य बुजुर्गों ने भाग लेकर यह संदेश दिया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। कई केंद्रों पर परिवार के सदस्य एक साथ परीक्षा देते नजर आए। स्वयंसेवी शिक्षकों द्वारा घर-घर जाकर शिक्षार्थियों को आमंत्रित किया गया, उन्हें पर्ची, पीला चावल देकर तथा फूल व तिलक से स्वागत कर परीक्षा केंद्र तक लाया गया। कई स्थानों पर रंगोली से भी स्वागत किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) रायपुर से उपप्राचार्य संगीता यादव, व्याख्याता गार्गी चौधरी एवं नीलकमल यादव ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की सराहना की। इस अभियान की सफलता पर डीईओ हिमांशु भारतीय, डीपीओ डॉ. कामिनी बावनकर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी धनेश्वरी साहू तथा बीआरसीसी राकेश कुमार साहू ने बधाई प्रेषित की।

निधन

हिरामन ठाकुर

मुड़ागांव (कोरासी)। ग्राम गिधनी निवासी हिरामन ठाकुर का शनिवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम गिधनी में किया गया जिसमें गांव के गणमान्य नागरिक शामिल हुए। वे पुष्पप्याजी ठाकुर एवं यशपाल ठाकुर के दादी जी थे।

समस्या : आश्रित ग्राम जिडार और कनफाड में टंकियों से पानी की आपूर्ति ठप

करोड़ों रुपए खर्च फिर भी ग्रामीण प्यासे, शो-पीस बनीं पानी टंकियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

ग्राम पंचायत मेडकीडबरी के आश्रित ग्राम सुरगपानी में सालों पहले लाखों की लागत से निर्मित पानी टंकी आज तक ग्रामीणों के लिए उपयोगी साबित नहीं हो सकी है। जल जीवन मिशन के तहत गांव गांव तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का सपना दिखाया गया था, लेकिन हकीकत में यह सपना आज भी अधूरा है। टंकी का निर्माण होने के बावजूद गांव के घरों तक स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई, जिससे ग्रामीणों को हर साल गर्मी में फिर भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। पानी टंकी को चालू करने के लिए सरपंच रवि मरकाम द्वारा कलेक्टर को लिखित आवेदन दिया गया है। इस तरह ग्राम पंचायत मुढीपानी के आश्रित ग्राम जिडार और कनफाड में पानी टंकी से ग्रामीणों को लाभ नहीं मिल रहा है। आज तक कोई बाहर से अधिकारी या कर्मचारी नल जल योजना का सुध लेने नहीं आएं हैं। ग्रामीण निजी हैंडपंप और अन्य संसाधनों पर निर्भर बने हुए हैं। साल भर पहले पाइपलाइन बिछाकर घर घर कनेक्शन दे दिए गए, घरों के सामने सिर्फ शो पीस के लिए नल लगा दी गई है। मालूम हो कि ग्राम पंचायत दादरगाव नया के आश्रित ग्राम फूलबाहरा में आज तक पानी टंकी का निर्माण नहीं हुआ है। ज्ञात हो कि ग्राम पंचायत टेगनाबासा के आश्रित ग्राम रावनाभाटा में नल जल योजना 4 वर्ष के पश्चात पूर्ण नहीं हुआ है, उपसरपंच रेखचद साहू ने बताया कि पाइप लाइन बिछाने के लिए गली गली का सड़क खोदा गया था। जिसका ठेकेदार द्वारा आज तक मरम्मत भी नहीं कराई गई। कुछ लोग अपने -अपने घर के सामने खुदे गढ़े को खुद के पैसे से मरम्मत किया गया। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा गिरते जल स्तर पर समस्या का समाधान करने आदेश जारी किया जा रहा, किन्तु ग्रामीण जन की समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। टंकियों के पास बोर खनन किया गया परंतु जलस्तर निचा होने की वजह से सक्सेस नहीं हो पाया है।

सिर्फ दिखावा बनकर रह गई योजना

सरपंच रवि मरकाम, उपसरपंच धनसाय ध्रुव, खेमसिंह मरकाम, भाग्यवती मरकाम, देवीबाई नेताम, गौरी बाई नेताम, सुमित्रा सोरी, चैती सोरी, भागसिह ध्रुव, मीरा जयसवाल, जगत राम मरकाम, आरती यादव, आशा राम नेताम सहित लोगों ने कहा कि विभाग की लापरवाही के कारण सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना का उद्देश्य ही विफल हो रहा है। इन लोगों का कहना है कि टंकी बनाने के बाद भी यदि पानी उपलब्ध न हो, तो यह केवल एक दिखावा बनकर रह जाती है।

नहर लाइनिंग कार्य में गुणवत्ता से समझौता नहीं : रोहित साहू

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुड़ागांव (कोरासी)

क्षेत्र के विधायक रोहित साहू इन दिनों अपने विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर काफी सक्रिय नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने आमानाला जलाशय क्षेत्र में चल रहे बहुप्रतीक्षित नहर लाइनिंग कार्य का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता का बारीकी से परीक्षण किया और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए, ताकि नहर लंबे समय तक टिकाऊ रहे। विधायक ने नहर की ढलान एवं मोटाई का भी सूक्ष्म निरीक्षण किया और निर्देश दिया कि मानसून और आगामी खेती सीजन से पहले कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए। इस अवसर पर विधायक रोहित साहू ने कहा कि यह नहर लाइनिंग कार्य क्षेत्र के कृषि परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव लाएगा। इससे नहर के अंतिम छोर तक पानी आसानी से पहुँचेगा, जिससे कोई भी खेत सिंचाई से वंचित नहीं रहेगा। साथ ही लाइनिंग होने से पानी का रिसाव रुकेगा और जल संरक्षण में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर सिंचाई व्यवस्था से फसल चक्र में सुधार होगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी। जनहित के विकास कार्य उनकी प्राथमिकता हैं और इस परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र के सैकड़ों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। निरीक्षण के दौरान विधायक ने स्थानीय ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान जिला पंचायत सभापति लेखराज धुर्वा, भाजपा नेता राजू साहू, मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आईएसबीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

आईएसबीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस के अवसर पर इस वर्ष का थीम पर कार्यक्रम कि आयोजन रखा गया है। इस थीम का मुख्य उद्देश्य फार्मेसी क्षेत्र के विभिन्न घटकों शिक्षा, उद्योग, अनुसंधान, नियामक संस्थाओं और व्यावहारिक क्षेत्र के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। विश्वविद्यालय में किसी भी कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चलचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इन कार्यक्रमों शामिल रहे, जिनमें 70 से भी छात्रों, शिक्षकों और पेशेवरों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी के प्राचार्य प्रोफेसर अमित राय ने बताया कि भविष्य का फार्मा इकोसिस्टम तभी मजबूत होगा जब अकादमिक ज्ञान को उद्योग कीआवश्यकताओं, अनुसंधान नवाचार और नियामक मानकों के साथ जोड़ा जाए। इससे न केवल नई दवाओं के विकास में तेजी आएगी, बल्कि रोगियों को बेहतर और सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएँ भी मिलेंगी। द्वितीय वक्ता डां. आनंद महलवार आईएसबीएम विवि के कुलपति ने बताया कि राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस हमारे लिए गर्व और जिम्मेदारी का प्रतीक है। आज का थीम हमें यह समझाता है कि केवल किताबों का ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि हमें उद्योग और अनुसंधान से भी जुड़ना आवश्यक है।हमारे संस्थान में हम प्रयासरत हैं कि छात्रों को आधुनिक प्रयोगशालाओं, प्रशिक्षण और उद्योग से जोड़कर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाए। फार्मेसी के शिक्षा, उद्योग, अनुसंधान, नियामक संस्थाए और व्यावहारिक क्षेत्र सभी एक छत के नीचे सभी काम करे तभी गुणवत्तापूर्ण फार्मेसी में अग्रणी बन सकता है। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ विनय एम अग्रवाल, कुलपति डॉ. आनंद महलवार, कुलसचिव डॉ. बीपी भोल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. शुभाषिस विश्वास, अकादमिक डीन डॉ. एनके स्वामी सभी ने फार्मेसी विभाग को बधाई दिया गया एवं आगे भी इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रोत्साहित और सहयोग किया जाएगा।

एक ही पेड़ पर दिखे दो रंगों के पत्ते

मैनपुर। मैनपुर वनाचंल क्षेत्र में इन दिनों प्रकृति का कई रूप देखने को मिल रहा है और यह बेहद ही खुबसूरत तथा लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। एक ही पेड़ पर दो रंगों के पत्ते होना अत्यन्त आकर्षक और खुबसूरत दृश्य है। इस तस्वीर को शिक्षक सुखराम नागेश ने अपने मोबाईल में कैद की।

बाड़ा जीर्णोद्धार के लिए महन्त रामसुंदर ने किया भूमि पूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

श्री दूधाधारी मठ के गरियाबंद जिला अंतर्गत स्थित ग्राम बासिन के बाड़ा का जीर्णोद्धार के लिए भूमि पूजन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बासंती नवरात्रि के पंचमी तिथि को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बासिन में बाड़ा जीर्णोद्धार के लिए भूमि पूजन का कार्यक्रम विधिवत संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ट्रस्ट कमेटी के सदस्यों के अतिरिक्त ग्रामवासी भी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास महाराज ने अपने संदेश में कहा कि - छत्तीसगढ़ राज्य का आध्यात्मिक स्थल श्री दूधाधारी मठ के गांव जहां भी स्थित है वहां प्रायः श्री बालाजी भगवान, रघुनाथ जी और हनुमान जी के मंदिर स्थित हैं। यहां का बाड़ा जर्जर स्थिति में था इसके पुनर्निर्माण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। ट्रस्ट कमेटी के सभी सदस्यों के निर्णय के अनुसार ग्राम वासियों की असुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्हें सर्व सुविधा युक्त भवन उपलब्ध हो सके इस हेतु आज भूमि पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ है, इसके निर्माण हो जाने से यहां के निवासियों को अपने सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम को संपन्न करने के लिए सर्व सुविधा युक्त भवन आसानी से सुलभ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बाड़ा निर्माण का कार्यक्रम शीघ्र ही प्रारंभ होगा और यह यथाशीघ्र बनकर तैयार भी हो जाएगा। उपस्थित श्रद्धालु भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। भूमि पूजन के उपरांत राजेशश्री महन्त जी महाराज गांव में स्थित दुर्गा मंदिर में भी दर्शन के लिए उपस्थित हुई इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने सहयोगियों सहित ग्राम पीपरौद के शीतला मंदिर में भी दर्शन पूजन किया। भूमि पूजन के इस कार्यक्रम में विशेष रूप से विजय पाली, रामकृष्ण पाली, मुख्तियार सुखराम दास जी, रामछबि दास जी, रामप्रिय दास जी, रतन साहू, हर्ष दुबे, जय शुक्ला, अंकुश जी, खगेश वर्मा, बाड़ा के वर्तमान एवं पूर्व दरोगा, निर्माण ठेकेदार साहू जी, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव तथा ग्रामवासी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

बच्चों के लिए ई-रिक्शा चलाने लगे जनक ध्रुव

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनक ध्रुव आज अचानक अपने लग्जरी कार को छोड़कर ई-रिक्शा चलाते नजर आए तो जिसने भी देखा दंग रह गया और यह तस्वीर और वीडियो लगातार सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। मिली जानकारी के अनुसार जनक ध्रुव सोमवार को मैनपुर नहानबिरी स्थित अपने निवास से जैसे ही क्षेत्र के दौरे के लिए निकले ई-रिक्शा में स्कूली बच्चों ने विधायक को देखकर उत्सुकतावस पुकार लगाया तो ई-रिक्शा को रोककर विधायक जनक ध्रुव ने बच्चों से चर्चा किया। क्षेत्र के स्कूल में सुबह पाली की पढ़ाई कर बच्चों को उनके ग्रामीण इलाके के घरों में छोड़ने ई-रिक्शा के माध्यम से जा रहे थे विधायक जनक ध्रुव ने बच्चों से पढ़ाई लिखाई के बारे में चर्चा किया। इस दौरान बच्चों ने विधायक के साथ तस्वीर भी खिचवाई।

विधायक जनक ध्रुव कहा कि वे हमेशा स्कूली बच्चों से मुलाकात करते रहते है उनके समस्याओं को जानते है। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुव, महामंत्री गेंदु यादव, जाड़ापदर के पूर्व सरपंच हरचंद ध्रुव, नैनसिंह नेताम, मंशाराम ध्रुव, भुनेश्वर ध्रुव, रामेश्वर सिंह, नेहाल नेताम एवं बड़ी संख्या मे क्षेत्र के लोग उपस्थित थे।

उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा में दिखा उत्साह

मुड़ागांव (कोरासी)। संकुल केन्द्र जरगांव में 22 मार्च को आयोजित उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा में नवसाक्षरों का उत्साह देखने को मिला। सुबह महुआ बीनने के बाद भी ग्रामीणों की परीक्षा देने के लिए लंबी लाइन लगी रही और वे लगातार केंद्र पहुंचकर परीक्षा में शामिल होते रहे। इस महापरीक्षा में कुल 11 परीक्षार्थियों ने भाग लिया, जिनमें 9 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल रहे। शासन की इस अभिनव पहल से ग्रामीणों में खुशी और उत्साह का माहौल देखा गया। परीक्षा में चित्र देखकर कहानी बनाना और चित्र मिलान जैसे रोचक प्रश्न शामिल थे, जिन्हें सभी नवसाक्षरों ने उत्साहपूर्वक हल किया। महापरीक्षा को सफल बनाने में शैक्षिक समन्वयक प्रेमनारायण ध्रुव, अनुदेशक मृत्यांजय और अर्जुन वर्मा का विशेष योगदान रहा। परीक्षा से पूर्व नवसाक्षरों को पीला चावल देकर आमंत्रित किया गया था, जिससे कार्यक्रम को पारंपरिक और प्रेरणादायक स्वरूप मिला।

छुरा में योग की अलख जगा रहे योगाचार्य मिथलेश

छुरा। क्षेत्र में स्वास्थ्य और योग के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे योगाचार्य मिथलेश सिन्हा पिछले 12 वर्षों से लगातार निःशुल्क योग सेवा प्रदान कर रहे हैं। उनका यह समर्पण और सेवा भाव क्षेत्रवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। योगाचार्य मिथलेश सिन्हा पतंजलि योगपीठ, आयुष मंत्रालय भारत सरकार,विद्या भारती संस्थान , से प्रशिक्षित एवं योग विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त किए हैं। योगाचार्य मिथलेश सिन्हा द्वारा संचालित नियमित योग कक्षाओं में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। इनमें युवा, बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे सभी वर्ग के लोग भाग लेते हैं। योग के माध्यम से वे लोगों को न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित करते हैं। विशेष बात यह है कि उनके इस सेवा कार्य को चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े डॉक्टरों का भी भरपूर समर्थन मिल रहा है। कई डॉक्टरों का मानना है कि नियमित योगाभ्यास से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, तनाव, मोटापा जैसी अनेक बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। डॉक्टर स्वयं भी लोगों को योगाचार्य मिथलेश सिन्हा की कक्षाओं में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर भारत स्वाभिमान न्यास जिला संरक्षक यशवंत यादव ने कहा कि अपने स्थान पर लगातार 13 वर्षों से सेवा करना एक बड़ी उपलब्धि है, निरंतर से ही सफलता मिलती है। वेलनेस कोच पवन सिन्हा ने कहा कि हम यही आशा और प्रार्थना करते हैं कि योगाचार्य जी को 100 वर्ष की आयु प्राप्त हो और वह 100 वर्ष तक सेवा करते रहें। नगर सेठ शंकर सचदेव, सफर सचदेव, आनंद सारस्वत, कृष्णा यादव, रुक्मणि यादव, कौशल साहू, महेंद्र द्विवेदी, मनीष शारडा, भुवनेश्वर पटेल एवं अन्य जनों ने कहा कि निश्चित रूप से, योगाचार्य मिथलेश सिन्हा का यह निःस्वार्थ सेवा भाव समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो आने वाली पीढ़ियों को भी स्वास्थ्य और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा। योग की कक्षा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से संचालित होती है।

अंगाकर रोटी और आरु साहू का जगराता, उमड़ेगा आस्था का सैलाब

झरझरा माता परिसर में आज दिखेगी छत्तीसगढ़ी परंपरा की जीवंत झलक

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाण्डुका

अंचल कै सुप्रसिद्ध दैवीय स्थल झरझरा में 24 मार्च को बासंतीय नवरात्र षष्ठमी दिवस मंगलवार को दैवीय पुराण कथा वाचक पं युवराज पाण्डेय के वाचन सत्संग के अलावा छत्तीसगढ़ के लोक कला संस्कृति और परम्पराओं का जीवंत प्रतीक देखने और सुनने को मिलेगा। जिसमें छत्तीसगढ़ी व्यंजन गढ कलेवा के अंतर्गत अंगाकर पान रोटी जिसका आकार बैलगाड़ी के चक्के के समान यानि चार फीट का और मोटाई 2 इंच का होगा, जिसके साथ खाने के लिए 1 करेट टमाटर का सिलबट्टा चटनी मिट्टी के कुम्हार बर्तन कुडेंरा पर उपलब्ध रहेगा,जिसका आनंद यहां आने वाले आगंतुक श्रद्धालुओं द्वारा उठाया जाएगा। इसके साथ साथ कथा समापन शाम 5 बजे पश्चात छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित सांस्कृतिक संस्था कु आरु साहू का लोक गायन दैवी भजन का ब्यार देर शाम तक सुनने को मिलेगा। उक्त विषय पर यहां के बहुचर्चित लोक कला संस्कृति साहित्य और जनजीवन पर शोधकर्ता और संस्कृति कर्मी लोहरसी निवासी राजकुमार यादव गौकरण मानिकपुरी फुलझर और साथियों द्वारा इसकी पूरी तैयारी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि यह पहल संस्कृति को बढ़ावा देने , संरक्षण संवर्धन के बहुआयामी उद्देश्यों को लेकर विगत 20 वर्षो से किया जा रहा प्रयास है,जो अनवरत जारी है।बता दें कि ऐसा काम अंचल में भिन्न भिन्न रुपों में किया जाता रहा है, किन्तु अब यह पहल वृहद रूप देने का एक और आशय है कि , इस बार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिनीज बुक और लिम्का बुक में रिकॉर्ड करने भी लक्ष्य है। जिसे राज्य सहित हर स्तर पर गरियाबंद जिले और अंचल का नाम हो।

समिति की पुख्ता व्यवस्था- संरक्षण और संवर्धन के दिशा में समर्पित लोहरसिंग निवासी लोक कला मंच संझा बिहनिया के संचालक राजकुमार यादव, गरियाबंद जिला के सिरजन संस्था के संस्थापक गौकरण मानिकपुरी फुलझर, पूर्व जनपद सदस्य दीपककुमार साहू लोहरसिंग,और अन्य सहयोगी साथी गण तैयारी मे लगे हुए हैं। इस अवसर को और अधिक लोकप्रिय और धर्ममय सांस्कृतिक चेतना को विस्तृत रूप देने गरियाबंद और धमतरी जिले के सिरजन संगठन के सभी कलाकारों को भी इस दिन आमंत्रित किया गया है। आयोजकों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार कथा वाचन सत्संग के साथ साथ रोज दैवीय भजन जस सेवा दूर-दूर से आए और आंचलिक कलाकारों के द्वारा लगातार चलता रहेगा।

आरु की सुमधुर आवाज में गूंजेंगे देवी भजन

इस वर्ष अंचल के सुप्रसिद्ध धार्मिक दैवीय स्थल माता झरझरा डोंगरीगांव(मुरमुरा) में जन विकास समिति ग्राम पंचायत मुरमुरा के संयुक्त तत्वावधान में चैत नवरात्रि मे ज्योति जंवारा का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय कथा वाचक पं युवराज पाण्डेय का दैवीय भागवत पुराण का आयोजन किया गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रम के संयोजक राजकुमार यादव ने बताया कि इस पावन अवसर पर 19 मार्च को प्रारंभ होने जा रहे नवरात्रि ज्योति कलश स्थापना और दैवीय पुराण कथा का आयोजन दौरान 24 मार्च दिन मगंलवार को शाम 05 बजे छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति परंपरा का प्रदर्शन विशेष रूप से किया जाएगा। जिसमें सुप्रसिद्ध ख्यातिप्राप्त लोक गायिका आरू साहू का छत्तीसगढ़ी गीत जगराता दैवीय गीत और स्थानीय कलाकारों द्वारा पण्डवानी तथा छत्तीसगढ़ का विलुप्त हो रही कला, का सजीव प्रस्तुति होगा और, संस्कृति, वेषभुषा,खान पान सभ्यता और परम्परा का प्रचार प्रसार भी होगा।

खबर संक्षेप

फिंगेश्वर के शक्तिपीठों में उमड़ी भीड़

फिंगेश्वर। चैत्र नवरात्र पर्व पर पंचमी तिथि के दिन नगर के मौली माता मंदिर एवं शीतला माता मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। इस बार शीतला माता मंदिर में श्रद्धा एवं भक्ति के 107 ज्योत प्रज्वलित किए गए। चैत्र नवरात्र पर्व को लेकर पंचमी तिथि को नगर के सभी मंदिरो में भक्तों की भीड़ लगी रही जिसमें मौली मंदिर एवं शीतला मंदिर में एक के बाद एक श्रद्धालु दूर-दूर से मंदिर पहुंचकर माता को श्रीफल भेंटकर अपनी खुशहाल जिंदगी के लिए प्रार्थना की। माता की आरती एवं घंटो से मंदिर गूंजायमान रहा। माता के मंदिर के अलावा लोगों ने प्राचीन ऐतिहासिक मंदिर भगवान फणीकेश्वरनाथ के भी दर्शन किए। कहा जाता है कि यदि एक ही स्थान पर माता अंबे एवं भोलेनाथ विराजित हो तो दोनों के दर्शन करने से कई गुणा पुण्य का लाभ मिलता है।इस बार 23 मार्च को पंचमी पढ़ने पर इस दिन का बहुत महत्व बढ़ जाता है। ज्योति गणना के अनुसार 23 मार्च का मूलांक 5 एवं पंचमी तिथि 5 होने से लोगों को शत्रुओं पर विजय के साथ-साथ जीवन बिना शत्रु के ही अर्थात आजाद शत्रु के रूप में गुजर जाएगा ऐसा गणित ज्योतिषियों का कहना है। आज स्वच्छ मन से मांगी गई मुरादे निश्चित रूप से पूरी होगी। मंदिर का पूरा वातावरण माता की भक्ति एवं शक्ति मे छाया रहा। लोगों ने शीतला मंदिर मे 107 ज्योत कलशों का भी दर्शन कर नमन किया।

महापंचमी में भेण्डरी के शीतला मंदिर में लगा भक्तों का सैलाब

नवापारा-भेण्डरी। भेण्डरी के शीतला माता मंदिर में पंचमी पूजा के अवसर पर मां शीतला का विशेष श्रृंगार कर कलश चढ़ाया गया। यहां 78 तथा बुड़ेनी में 45 ज्योति कलश प्रज्वलित है। पंचमी में ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष नीलकंठ सिन्हा, कामता साहू, सरपंच राजेश्वरी-आनंद पटेल, बैगा संतराम साहू सहित ग्राम विकास समिति के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

परसदाकला के शीतला माता मंदिर में पंचमी श्रृंगार उत्सव

छुईहा बेलर। ग्राम परसदाकला स्थित शीतला माता मंदिर में पंचमी श्रृंगार उत्सव बड़े श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर सिरकट्टी आश्रम के पूज्य गुरुदेव संत गोवर्धन शरण महात्मा जी का आगमन हुआ, जिससे पूरे ग्राम में उत्साह का वातावरण बन गया। महात्मा जी ने ग्रामवासियों के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना करते हुए चैत्र नवरात्र के अवसर पर शीतला माता मंदिर में विशेष पूजन-अर्चना संपन्न कराई। उनके आशीर्वचन से उपस्थित श्रद्धालुओं में आध्यात्मिक ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ। इस अवसर पर ग्राम सरपंच गणेश साहू, ग्राम प्रमुख बिहारी साहू, जनक सेन, कुलेश्वर निषाद, मोतीराम साहू, होरीलाल साहू, कुमारू साहू, दुलार देवांगन, फत्ते साहू, चम्मन साहू, दीपक साहू, विजय साहू, पंडा महाराज तातु साहू, पुरन निर्मलकर तथा ग्राम बैगा दयाराम ध्रुव सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मांग : सीएम साय से ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाओं के साथ खेती के लिए जमीन की मांग की

रमन राज में बसा नया ताराझर हुआ वीरान रोजगार के अभाव में पहाड़ियों पर लौटे कमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

ग्राउंड जिरो-रिर्पोटिंग

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर क्षेत्र में विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के ग्रामीण दुर्गम पहाड़ियों के ऊपर निवास करते है तत्कालीन भाजपा के डॉ. रमन सिंह सरकार द्वारा इन विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के लोगों को दुर्गम पहाड़ी से उतार कर शहरी इलाके के नजदीक बसाने की सरकारी योजनाएं बनाई गई और मैनपुर से महज सात किमी दूर में बकायदा एक पूरे नया गांव बसाया गया और पहाड़ी के ऊपर निवास करने वाले कमार जनजातियों के ग्रामीणों के लिए 32 पक्का मकानों का निर्माण कर गांव में बिजली, पक्की सड़क, पेयजल टंकी, तालाब, मोबाईल टॉवर लगाई गई। पूरा गांव को सजा धजा कर ग्रामीणों को दिया गया तब पहाड़ी में निवास करने वाले ग्रामीणों ने सरकार के पास एक मांग प्रमुखता से रखी थी कि उन्हे बांस बर्तन बनाने के लिए बास उपलब्ध कराई जाए और रोजगार की साधन दिया जाए इसके लिए बकायदा जिले के अफसरो को निर्देश भी दिया गया था कि कमार जनजाति के लोगों को रोजगार की सुविधा उपलब्ध कराई जाए लेकिन दिसम्बर 2018 में भाजपा की सरकार हटते ही यहां बसाए गए कमार जनजाति के लोगों के तरफ संबंधित अफसरो द्वारा ध्यान नहीं दिया गया और उन्हे रोजगार सुविधा भी उपलब्ध नहीं कराई गई जिसके कारण कमार जनजाति के लोगो ने रोजगार के अभाव में इस नया गांव को छोड़कर वापस पहाड़ी के उपर चले गए। इस मामले को लेकर कमार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनसिंह सोरी ने कई बार जिले के अफसरो को आवेदन मांग पत्र देकर थक चूके है लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं किया गया। यहा के कमार जनजाति के लोगो को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से विकास को लेकर उम्मदी बंधी हुई है।

आजादी के 78 साल बाद भी सुविधाओं को तरसते ग्रामीण

तहसील मुख्यालय मैनपुर से लगभग 18 किलोमीटर दूर घने जंगल के भीतर ग्राम पंचायत कुल्हाडीघाट है, इस ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम कुल्हाडीघाट से और 25 से 30 किलोमीटर दूर दुर्गम पहाडी के उपर बसे ग्राम ताराझर, कुर्वापानी, मटाल, भालूडिग्गी विकास से कोषो दूर है, इन ग्रामों में पहुंचने के लिए सड़क नहीं होने के कारण आजादी के 78 वर्षों बाद भी यहां निवास करने वाले विशेष पिछडी कमार जनजाति के ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाए उपलब्ध नहीं हो रहा है।

सुविधाएं पहुंचाना चुनौतीपूर्ण

ग्राम पंचायत कुल्हाडीघाट के सचिव प्रेमलाल ध्रुव ने बताया कि पहाड़ी के ऊपर बसे होने के कारण ताराझर तक सड़क व अन्य मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए 2014-15-16 में पहाड़ी के ऊपर बसे विशेष कमार जनजाति के लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए बेहतर योजना बनाते हुए उन्हे मैनपुर तहसील मुख्यालय के नजदीक 07 किलोमीटर में नया गांव का निर्माण कर बसाया गया था ग्रामीण गांव छोड़कर वापस चले गए।

समस्या का कोई समाधान नहीं

कमार समाच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत कुल्हाडीघाट के सरपंच बनसिंह सोरी ने बताया कि ग्रामीणों को यदि खेती किसानी और सिंचाई के साधन के साथ रोजगार उपलब्ध करा दिया जाए तो वो पहाडी के नीचे नया गांव में निवास कर सकते है। उन्होने बताया पूर्व में भी सरकार द्वारा कई वायदा किया गया था लेकिन पूरा नहीं करने के कारण ग्रामीण वापस पहाड़ी पर लौट गए। श्री सोरी ने बताया की कई बार यहां के समस्याओं से उच्च अधिकारियों को अवगत करा चूके हैं लेकिन अब तक समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ।

सजा-धजा गांव छोड़ क्यों लौटे ग्रामीण ?- दुर्गम पहाड़ी के उपर बसे ताराझर के कमार जनजाति के लोगों को पहाड़ी से उतार कर नीचे मैनपुर के नजदीक बसाने के लिए 10 वर्ष पहले करोड़ों रूपये खर्च कर एक नया ताराझर गांव बसाया गया बकायदा पक्का मकान, बेहतर पानी की सुविधा, सीसी रोड, मोबाईल टावर व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई लेकिन उनके जविकोपार्जन कराने के लिए खेती किसानी नहीं होने से मजबूरन विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के लोग नया गांव को छोड़कर वापस पहाड़ी पर लौट गए केन्द्र और राज्य में भाजपा की डबल इंजन की सरकार से फिर उन्हे मुख्यधारा से जोड़ने जनमन योजना के तहत पक्की मकान निर्माण के लिए करोड़ों रूपए की राशि स्वीकृत किया गया है और बकायदा कई गांवों में प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कार्य शुरू हो गया है पहाड़ी के उपर बसे कमार जनजाति के लोगों को छत्तीसगढ़ में आदिवासी समाज से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बनने के बाद अब फिर एक बार विकास की उम्मीद जगी है और उन्हे मूलभूत सुविधा के साथ खेती किसानी के लिए जमीन उपलब्ध कराने पर नया गांव में बसने की उम्मीद है।

पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के देवभोग दौरे के दौरान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निशाद एवं भाजपा गरियाबंद जिला अध्यक्ष अनील चन्द्राकर मैनपुर पहुंचे। इस दौरान स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका अत्मीयता के साथ स्वागत किया। लोक निर्माण विभाग विश्रामगृह में क्षेत्र से पहुंचे भाजपा कार्याकर्ताओं से मूलाकात किया और उन्हे सरकार की अनेक योजनाओं के संबंध में जानकारी दिया साथ ही सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचा कर ज्यादा से ज्यादा योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को दिलाने को कहा है। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष अनील चन्द्रकर द्वारा भाजपा मंडल द्वारा चल रहे कार्यों की जानकारी लिया और अगामी दिनों में भाजपा द्वारा आयोजित कार्यक्रम के संबंध में बताया। इस मौके पर प्रमुख रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष मैनपुर संतोश यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामदास वैष्णव, वरिष्ठ भाजपा नेता रूपेश साहू, उपेन्द्र साहू, मनोज निर्मलकर, महामंत्री दिनेश सचदेव व बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक बने प्रेम साधवानी

नवापारा-राजिम। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव के निर्देश पर शहर के युवा प्रेम साधवानी को रायपुर ग्रामीण जिला सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के संयोजक बनाए जाने पर भाजपा मंडल अध्यक्ष नागेंद्र वर्मा ,नपा अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू ,उपाध्यक्ष भूपेंद्र सोनी , विधायक प्रतिनिधि संजय साहू ,नपा के पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल ,अनिल जगवानी ,अशोक नागवानी ,टिंकू सोनी ,सिंटू जैन ,राजू रजक ,भाजयुमो अध्यक्ष अंकित मेघवानी ,सभापति सचिन सचदेव ,भाजपा मंडल महामंत्री धीरज साहू ,सभापति सहदेव कंसारी ,नम्मु ध्रुव ,अनुज राजपूत ,गोलू यादव ,प्रतीक शर्मा ,अप्पू सोनकर ,चिंटू तराने ,महिला मोर्चा के अध्यक्ष धनमती साहू, भाजपा नेत्री योगिता सिन्हा,साधना सौरज, डॉ. राजेंद्र गदिया ने शुभकामना दी है। संयोजक प्रेम साधवानी ने रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी अशोक बजाज, विधायक इंद्रकुमार साहू, जिला अध्यक्ष श्याम नारंग, जिला महामंत्री संतोष शुक्ला का आभार व्यक्त किया है।

कुडेरादादर में रोहित साहू ने की 10 लाख के टीन शेड की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

ग्राम कुडेरादादर के निवासी और क्षेत्र के प्रसिद्ध कीर्तनकार कामता प्रसाद के घर पर नवरात्रि के पावन पर्व पर देवी भागवत का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें रविवार को राजिम विधायक रोहित साहू, जिला पंचायत के सभापति लेखराज ध्रुवा, जनपद अध्यक्ष मीरा ठाकुर, जनपद सदस्य बिमला नागेश, पंकज निर्मलकर,सरपंच तुलेश्वर ध्रुव राजू साहू, मंडल अध्यक्ष शिवशंकर जयसवाल आदि लोगों ने देवी भागवत में पहुंच कर मां जगदम्बा की पूजा अर्चना भेंट कर दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किए और यह पावन अवसर समाज सेवा और जन कल्याण के कार्यो के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना। विधायक रोहित साहू ने कहा कि ऐसे आयोजन स्थानीय संस्कृति और धर्म को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे हैं। आगे कहा कि इसका अनुश्रवण अपने जीवन में करने की आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में धर्म के प्रति लोगों की रूची बढ़ी है, इसका नतीजा है कि कई जगह यज्ञ हवन एवं कथा का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला पंचायत सभापति लेखराज ध्रुवा ने कहा महाराज जी के अनमोल वचनों को अपने जीवन में उतारते हुए आगे बढ़ने जोर दिया। आगे कहा कि देवी भागवत कथा आदर्श जीवन का निचोड़ है। जनपद अध्यक्ष मीरा ठाकुर ने कहा भागवत से हमें अच्छाई को स्वीकारना चाहिए। अच्छी बातों को जीवन में अनुशरण करना चाहिए। बुराइयों को दूर करेंगे, तभी समाज में शांति की स्थापना होगी। विधायक ने 10 लाख की टिना सेट की घोषणा की गई। कामता प्रसाद कीर्तनकार को विधायक रोहित साहू ने देवी भागवत कथा कराने एवं क्षेत्र वासियों को कथा श्रवण करवाने के लिए कामता प्रसाद के परिवार का आभार जताया। सभी आमंत्रित अतिथियों को श्रीफल और शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से ओमबाई जगत, नीरज जगत, परमेश्वर जगत, ओमप्रकाश नागेश, धनमति बाई, मनोज नागेश, संजीवनी नागेश, नारायण सिंह ठाकुर, झवर अग्रवाल, कृष्णा गुप्ता, सेवक राम साहू, भीखम साहू, पूखल दीवान, संतराम जगत, समारू सोरी, थनेश्वर ठाकुर, जनक राम नायक, बिष्णु मांझी, जगेश्वर ओटी, सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद थे।

पार्षद ने दी सेवा समिति को म्यूजिक सिस्टम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

नवरात्रि के पावन पर्व पर वार्ड नं 12 के पार्षद भारत सोनकर द्वारा सेवा समिति को म्यूजिक सिस्टम, पेड भेंट किया गया। म्यूजिक सिस्टम पाकर समिति के लोगो ने पार्षद श्री सोनकर के प्रति आभार व्यक्त किया है।

जल संकट से निपटने बांध से पानी छोड़ें : साहू

अभनपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं किसान नेता धनेंद्र साहू ने अभनपुर विधानसभा क्षेत्र में बढ़ते जल संकट को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में स्थित तालाब लगातार बढ़ती गर्मी के चलते तेजी से सूख रहे हैं, वहीं बोरवेल का जलस्तर भी काफी नीचे चला गया है। उन्होंने कहा कि मार्च माह से ही ग्रामीणों के सामने निस्तारी, पेयजल और दैनिक उपयोग के लिए पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न होने लगी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले महीनों में स्थिति और भी विकराल हो सकती है। इसका सीधा असर आमजन के जीवन और पशुधन पर पड़ेगा तथा ग्रामीणों को पानी के लिए दूर-दराज तक भटकना पड़ेगा। धनेंद्र साहू ने वर्तमान हालात को देखते हुए शासन से मांग की है कि गंगरेल बांध से महानदी की मुख्य नहर में शीघ्र पानी छोड़ा जाए, ताकि सूखते तालाबों को पुनः भरा जा सके। उन्होंने कहा कि इससे जलस्तर में सुधार होगा और अप्रैल, मई एवं जून माह में संभावित पेयजल संकट से काफी हद तक राहत मिल सकेगी।

आत्मसमर्पित नक्सलियों व कैदियों ने भी थामी कलम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित उल्लास महापरीक्षा में जिले के पांचो विकासखंडो में 22 मार्च 2026 को राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण रायपुर द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के अनुरूप कराया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन को सफल बनाने में जिला कलेक्टर भगवान सिंह उइके के निर्देशन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गरियाबंद प्रखर चंद्राकर,एवं जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर के मार्गदर्शन एवं जिला परियोजना अधिकारी बुद्धविलास सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। महापरीक्षा अभियान में कुल 7590 शिक्षार्थियों का पंजीयन कराया गया जिसमें से 4000 शिक्षार्थियों ने जिला गरियाबंद अंतर्गत बनाए गए कुल 221 परीक्षा केदो में परीक्षा दिलाया. वहीं उपजेल गरियाबंद में महापरीक्षा अभियान अंतर्गत कुल 7 पंजीकृत शिक्षार्थियों में 07 सम्मिलित हुए। इसके साथ ही किसान पारा स्कूल गरियाबंद में आत्मसमर्पित 11 नक्सलियों ने भी महापरीक्षा अभियान में भाग लिया एवं परीक्षा दिलाकर साक्षर बनने हेतु एक कदम बढ़ाया। जिला परियोजना अधिकारी बुद्ध विलास सिंह ने बताया कि यह परीक्षा रविवार को सुबह 10.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक आयोजित की गई।इस बार साक्षरता विभाग द्वारा परीक्षा के माध्यम से जेल के कैदियों एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों ने शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं उन्हें साक्षर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। उन्होंने आगे बताया कि इस प्रकार की प्रयास बंदियों एवं आत्म समर्पित नक्सलियों के पुनर्वास एवं समाज के मुख्य धारा से जोड़ने में सहायक सिद्ध होंगे। जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह कहा कि उल्लास नवभारत साक्षरता परीक्षा न केवल साक्षरता दर बढ़ाने में सहायक होती है बल्कि लोगों में आत्मविश्वास भी विकसित करती है। प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले के प्रत्येक व्यक्ति को साक्षर बनाकर उसे मुख्य धारा से जोड़ा जाए। उल्लास महापरीक्षा का सफल आयोजन जिले में साक्षरता अभियान को नई दिशा देने वाला कदम माना जा रहा है जिससे आने वाले समय में शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर परिणाम मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर, जिला परियोजना अधिकारी बुद्ध विलास सिंह, जिला मिशन समन्वयक शिवेश शुक्ला, विकासखंड शिक्षा अधिकारी गजेंद्र ध्रुव सहित जिले की पांचो विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बी आर सी, संकुल प्राचार्य, संकुल समन्वयको एवं शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

पेज 11 के शेष...

टाइगर रिजर्व में जल...

संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण पेश कर रहा है। यह पहल न केवल वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी प्रभावी माध्यम बन रही है।वरुण जैन, उपनिदेशक (उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व) ने कहा की हमारा लक्ष्य जल्द से जल्द 1500 झिरिया का निर्माण पूरा करना है, ताकि आने वाले भीषण गर्मी के दिनों में वन्य प्राणियों को राहत मिल सके और वे प्यास के कारण जंगल से बाहर न निकलें।

बढ़ती गर्मी का...

तो आने वाले दिनों में हाहाकार जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। **पाताल की ओर जा रहा जलस्तर-** स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष गर्मी के मौसम में यह समस्या सामने आती है, लेकिन इस बार स्थिति पहले से अधिक गंभीर दिखाई दे रही है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द वैकल्पिक जल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि पेयजल और निस्तारी की समस्या से राहत मिल सके। विशेषज्ञों का मानना है कि जल संरक्षण के प्रति जागरूकता और ठोस योजना की कमी के कारण हर साल यह संकट गहराता जा रहा है। वर्षा जल संचयन, तालाबों का गहरीकरण और जलस्त्रोतों के संरक्षण की दिशा में ठोस पहल जरूरी है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति से बचा जा सके। फिलहाल, बढ़ती गर्मी और सूखते जलस्त्रोतों ने क्षेत्र में चिंता का माहौल बना दिया है। यदि जल्द ही समाधान नहीं निकाला गया, तो आने वाले दिनों में जल संकट विकराल रूप ले सकता है, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित होने की आशंका है।

झरझरा धाम की वादियों में गूंज रही देवी माता की महिमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोपरा

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले अंतर्गत डोंगरी पहाड़ी ग्राम मुरमरा के घनघोर वादियों के बीच झरझरा धाम में देवी पुराण कथा का आयोजन भक्तिमय माहौल में संपन्न हो रहा है, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। आसपास के ग्रामों से श्रद्धांलू कथा सुनने पहुंच रहे है। झरझरा में श्रीमद् देवी भागवत महापुराण का भव्य आयोजन किया जा रहा है। तृतीय दिवस कथा पंडाल में हर दिन हजारों सात से आठ हजार की संख्या में स्थानीय ग्रामीण और भक्तगण शामिल हो रहे हैं। प्रवचनकर्ताः छत्तीसगढ़ के माटी पुत्र पंडित युवराज पांडे द्वारा मधुर भजनों और कथा के माध्यम से ज्ञान गंगा बहाई जा रही है, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। श्रद्धालु कथा के दौरान भावुक हो रहे हैं और देवी मां की स्तुति में लीन नजर आ रहे हैं। पहली बार क्षेत्र मे जंगल के बीच भव्य देवीपुराण कथा का आयोजन किया गया है, कथा सुनने नेता, अधिकारी, व्यापारी आम नागरिक बड़ी संख्या मे पहुँच रहे, गरियाबंद जिले ही नहीं धमतरी, रायपुर, महासमुंद, दुर्गा, भिलाई, बलौदाबाजार, कांकेर, बालोद से श्रद्धांलू सह परिवार पहुंच रहे है, तृतीय दिवस उपस्थित सभी भक्तों के लिए भव्य भोग भंडार का भी आयोजन किया गया, सुबह कथा शुरू होने से पहले कई ख्याति प्राप्त कलाकारों की भी प्रस्तुति हो रही है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

घटारानी और कर्राबाधिन में 406 ज्योत जले

छुईहा बेलर। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर देवी मंदिरों में भक्तों की गहरी आस्था देखने को मिल रही है। श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मनोकामना ज्योति प्रज्वलित कर रहे हैं। इसी क्रम में घटारानी मंदिर में कुल 225 मनोकामना ज्योति जलाई गई हैं, जबकि कर्राबाधिन बोड़की जोगीडीपा में 181 श्रद्धालुओं द्वारा ज्योति प्रज्वलित की गई है। नवरात्रि के दौरान इन मंदिरों में पंचमी महोत्सव पर भक्तों का उत्साह, भक्ति और श्रद्धा चरम पर है, और हर कोई माता रानी से सुख-समृद्धि एवं मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना कर रहा है।

नवरात्रि की पंचमी पर माता का विशेष श्रृंगार मंदिरों में उमड़ी भीड़

रसेला। क्षेत्र के शीतला मंदिरों पर और घरों में नवरात्रि की पंचमी तिथि पर मां स्कंदमाता की विशेष पूजा की गई। माता का श्रृंगार कर श्रद्धालुओं ने सामग्री अर्पित की। दिन भर मंदिर और देवलो में भक्तों की भीड़ लगी रही। माता रानी को चुनरी,पायल, साड़ी,माहुर, बिंदिया, चूड़ी से विशेष श्रृंगार किया गया। सुबह से भक्त व्रत रखकर स्कंदमाता की विशेष भक्ति की। क्षेत्र के ग्राम पीपरछेडी,कुडेरादादर, केवटीझर,टेगनाबासा के शीतला मंदिरों और घरों में बोये ज्वारा में माता के दर्शन व पूजा के लिए सैकड़ों की संख्या में भक्त मंदिर पहुंचे। देर रात तक भक्तों का आने जाने का सिलसिला जारी रहा। साथ ही जस गीत सेवा का दौर चलता रहा। देवी मा को खीर पूड़ी का भोग लगाया गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान स्कंद कार्तिकेय की माता होने के कारण देवी को स्कंदमाता कहा जाता है। चार भुजाओं वाली यह देवी अपने भक्तों को सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करतीं हैं। महाराज गोलू शर्मा के अनुसार मां स्कंदमाता की उपासना से मन की कुण्ठाए, द्वेष और जीवन के कलह समाप्त हो जातें हैं। मां स्कंदमाता के दर्शन मात्र से ही मन में सकारात्मक,नई ऊर्जा और आत्मबल का संचार होता है। आगे कहा कि सच्चे मन से की गई आराधना से घर परिवार में खुशहाली आती है। क्षेत्र और घरों में चैत्र शुक्ल पंचमी को विशेष रूप से मनाया गया।

कांग्रेसियों ने क्रांतिकारी भगत सिंह सुखदेव राजगुरु को दी श्रद्धांजलि

नवापारा-राजिम। सोमवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नवापारा द्वारा भारत के महान क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के शहादत दिवस के अवसर पर नगर के सुभाष चौक में माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर महान क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु अमर रहे के नारो के साथ स्मरण करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रामा यादव, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष धनराज मध्यानी, पूर्व उपाध्यक्ष चतुर जगत, पार्षद अर्जुन साहू, अजय साहू, हेमंत साहनी, टिकेश्वर गिलहरे, रामरतन निषाद, तरुण कंसारी, अनूप खरे, मंगराज सोनकर, भोला साहू, सौरभ सोनी, रामकुमार शर्मा, धनंजय साहू, विक्की साहू, अजय गाड़ा, लक्की साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद रहे।

आस्था : जसगीत और सेवा गीतों से पूरा वनांचल क्षेत्र धर्ममय हो गया

चैत्र नवरात्रि की पंचमी पर देवी मंदिरों में उमड़ा जनसैलाब, माता का हुआ श्रृंगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

चैत्र नवरात्र पर्व के पंचमी पर आज सोमवार को मैनपुर क्षेत्र के सभी देवी मंदिरो मे पूजा अर्चना करने श्रद्धालुओं व भक्तों की अपार भीड़ लगी रही पंचमी के अवसर पर विधि विधान से माता का श्रृंगार किया गया। देवी मंदिरों में पूजा अर्चना की गई जसगीत और सेवा गीत से पूरा क्षेत्र का माहौल धार्मिकमय हो गया है। चारो तरफ माता के जयकारे लग रहे है। तहसील मुख्यालय मैनपुर स्थित वन विभाग दुर्गा मंदिर मे सुबह से देर शाम तक भारी भीड़ पूजा अर्चना करने लगी रही यहां महाआरती का आयोजन किया गया दुर्गा मंदिर के पुजारी पंडित योगेश शर्मा ने बताया आज नवरात्र के अवसर पर माता का विशेष श्रृंगार किया गया और महाआरती

का आयोजन भी हुआ साथ ही प्रसाद वितरण किया गया। मैनपुर के वन परिसर स्थित मां दुर्गा मंदिर में 23 मार्च 2026 को श्रद्धा, आस्था और भक्ति के साथ माता का भव्य शृंगार एवं पूजन संपन्न हुआ प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में भक्तों का आगमन आरंभ हो गया था, जो देर शाम रात तक निरंतर बना रहा दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही और पूरा वातावरण भक्तिरस में डूबा नजर आया। भक्तों ने गहन श्रद्धा के साथ माता को चुनरी एवं विविध शृंगार सामग्री अर्पित की सजे–धजे स्वरूप में माता रानी का दिव्य रूप दर्शनार्थियों के आकर्षण का केंद्र बना रहा पूजन–अर्चन के साथ–साथ मंदिर परिसर में गूंजते जयकारों ने माहौल को और अधिक पावन बना दिया हर ओर भक्ति, विश्वास और समर्पण की भावना स्पष्ट रूप से अनुभव की जा रही थी। एवं क्षेत्र के अन्य देवी मंदिरों में भी इसी प्रकार श्रद्धा और उत्साह के साथ पूजा-अर्चना की गई, जहां सुबह से लेकर देर शाम तक भक्तों की भीड़ बनी रही और पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।

आस्था और उल्लास का माहौल

मैनपुर क्षेत्र के सभी देवी मंदिरो मे आज पंचमी तिथि पर आदिशक्ति माता दुर्गा का विशेष श्रृंगार कर विधिवत पूजा अर्चना किया गया, नवरात्र के चलते पंचमी तिथि पर पैरी उद्गम स्थल भाठीगढ़, वन परिसर स्थित मां दुर्गा मंदिर, भाठीगढ़ सिद्धेश्वर मंदिर, गायत्री मंदिर हरदीभाठा, बाजाघाटी देवी मंदिर, शीतला माता मंदिर, दंतेश्वरी माता, फूलझर स्थित मां भगवती मंदिर, मां कुलेश्वरी मंदिर सहित क्षेत्र के सभी देवी मंदिरों में नवरात्र मे मां आदिशक्ति दुर्गा का विशेष पंचमी श्रृंगार कर वैदिक वेद मंत्रेच्चार के साथ पूजा अर्चना किया गया, नवरात्रि को लेकर लोगो मे खासा उत्साह देखने को मिल रहा है लोग पूरे दिन उपवास कर मनोकामना ज्योति कलश के दर्शन करने मंदिरो मे बारी बारी से पहुंच रहे है।

मां काली मंदिर में दिनभर रही भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

शहर में पंचमी के पावन अवसर पर देवी भक्ति का अदभुत नजारा देखने को मिला। सुबह से ही शहर के सभी देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी, जहाँ भक्ति और श्रद्धा के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान महिलाओं और पुरुषों ने पूरे उत्साह के साथ मां का श्रृंगार कर पूजन किया और मंगलकामनाएं मांगीं। विशेष रूप से मां काली मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता दिन भर लगा रहा। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्त चुनरी, नारियल, अगरबत्ती और भोग सामग्री लेकर पहुंचते रहे। मां के जयकारों और मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में अपनी आस्था अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पंचमी के अवसर पर देवी मां का विशेष श्रृंगार भी आकर्षण का केंद्र रहा। फूलों, चुनरी और विभिन्न श्रृंगार सामग्रियों से सुसज्जित मां की प्रतिमा के दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। महिलाएं मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। देर शाम आयोजित महाआरती में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। खासकर महिलाओं की सहभागिता उल्लेखनीय रही, जिन्होंने भक्ति गीतों और जयकारों के साथ पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। आरती के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धा और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। पंचमी के इस पावन अवसर पर शहर पूरी तरह भक्ति में डूबा नजर आया। मंदिरों में उमड़ी भीड़ और श्रद्धालुओं की आस्था ने यह साबित कर दिया कि नवरात्रि का पर्व लोगों के जीवन में विशेष महत्व रखता है और यह आस्था, विश्वास और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

रमईपाठ धाम : आम के पेड़ की जड़ से बहती है अविरल जलधारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुड़ागांव (कोरासी)।

■ चैत्र नवरात्र में प्रज्ज्वलित हुए 1113 ज्योति कलश

छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर स्थित गरियाबंद जिले के छुरा विकासखण्ड के अंतिम छोर पर बसे ग्राम सोरिद खुर्द से लगभग दो किलोमीटर दूर, आठवीं शताब्दी के प्राचीन गादी माई की गोद में विराजमान माता गंगा मई रमई पाठ देवी मंदिर आस्था और श्रद्धा का अद्भुत केंद्र बना हुआ है। चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर यहां 1113 मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना की गई। पंचमी पर्व के दिन पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने माता रमई पाठ देवी गंगा मई का भव्य श्रृंगार कर छप्पन भोग अर्पित किया। इस अवसर पर राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू भी पूजा-अर्चना में शामिल हुए। उन्होंने माता के चरणों में माथा टेककर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की और श्रद्धालुओं के साथ पूजा में सहभागिता निभाई। माना जाता है कि यहां विराजमान माता रमई पाठ देवी अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं।

11 गांवों की समिति संभालती है व्यवस्था- चैत्र और शारदीय नवरात्र के दौरान हजारों श्रद्धालु यहां ज्योति जलाकर अपनी आस्था व्यक्त करते हैं। वहीं चैत्र पूर्णिमा पर यहां भव्य जात्रा मेले का आयोजन होता है, जिसमें दूर-दूर से भक्त पहुंचते हैं और मन्नत पूरी होने पर फूल, पान, नारियल अर्पित करते हैं। मंदिर की देखरेख 11 गांवों की समिति द्वारा की जाती है। यहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं के लिए भोजन भंडारा भी आयोजित किया जाता है। हालांकि, श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यहां और अधिक विकास कार्यों की आवश्यकता महसूस की जा रही है, जिससे इस पवित्र स्थल की भव्यता और बढ़ सके। इस स्थान की सबसे अनोखी विशेषता यहां स्थित आम के पेड़ की जड़ से निरंतर बहने वाली अविरल जलधारा है, जो कभी सूखती नहीं है। यह जल अत्यंत स्वच्छ और पवित्र माना जाता है तथा इसी जल से भंडारे का भोजन तैयार किया जाता है और श्रद्धालुओं की प्यास बुझाई जाती है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यह जल प्रसव के समय लाभकारी माना जाता है तथा किसान भी अपनी खेती से जुड़े कार्यों में इसे शुभ मानते हैं। नवरात्र के दौरान यहां हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है। दूर-दूर से भक्तजन माता के दर्शन के लिए पहुंचते हैं और जस सेवा कर भक्ति का वातावरण और भी भावपूर्ण बना देते हैं। इस प्रकार रमई पाठ देवी धाम श्रद्धा, विश्वास और लोक आस्था का एक प्रमुख केंद्र बनकर निरंतर लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

कोलियारी-नवागांव मार्ग पर सड़क किनारे रेत की अवैध डंपिंग, हादसों को खुला न्योता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

क्षेत्र में रेत माफियाओं ने अवैध उत्खनन और कारोबार का नया तरीका अपनाकर प्रशासन को चुनौती दे दी है। अब रेत चोर रात के अंधेरे में नदी-नालों से अवैध रूप से रेत निकालकर सुरक्षित स्थानों पर डंप कर रहे हैं और सुबह होते ही उसकी खुलेआम बिक्री शुरू कर दे रहे हैं। इस पूरे खेल के चलते शासन को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है, वहीं पर्यावरण को भी गंभीर क्षति पहुंच रही है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, देर रात ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और हाइवा वाहनों के जरिए रेत का अवैध परिवहन किया जाता है। सुनसान इलाकों और खेतों के किनारे बड़े पैमाने पर रेत का भंडारण किया जाता है, जिससे दिन में किसी को शक न हो। सुबह होते ही यही रेत निर्माण कार्यों में लगे लोगों को ऊंचे दामों पर बेची जा रही है। हैरानी की बात यह है कि यह पूरा अवैध कारोबार खुलेआम चल रहा है, लेकिन माइनिंग विभाग और संबंधित प्रशासनिक अधिकारी इस पर कोई ठोस कार्रवाई करते नजर नहीं आ रहे हैं। लोगों का आरोप है कि विभाग या तो इस पूरे मामले से अनजान बना हुआ है या फिर जानबूझकर आंखें मूंदे हुए है। ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों ने बताया कि अवैध रेत उत्खनन के कारण नदी-नालों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। जलस्तर गिर रहा है और आसपास के इलाकों में पर्यावरण संतुलन बिगड़ने का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा भारी वाहनों की आवाजाही से ग्रामीण सड़कों की हालत भी खराब हो रही है, जिससे आम लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

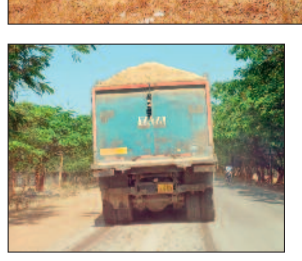

रमईपाठ धाम में टिन शेड और सोरिद नागझर में आंबा केंद्रों का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुड़ागांव (कोरासी)

■ विधायक रोहित साहू ने दी विकास कार्यों की सौगात

राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू ने चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर अपने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का सघन दौरा कर ग्रामीणों को विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत सोरिद स्थित प्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल रमईपाठ धाम में नवनिर्मित टीन शेड तथा ग्राम सोरिद एवं नागझर में नव निर्मित आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया।

रमईपाठ धाम में टीन शेड बनने से अब यहां आने वाले श्रद्धालुओं को धूप एवं बारिश से राहत मिलेगी। लोकार्पण के दौरान विधायक श्री साहू ने कहा कि धार्मिक स्थलों का विकास और दर्शनार्थियों की सुविधा उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि रमईपाठ धाम क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां सुविधाओं के विस्तार से

पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

ग्राम नागझर और सोरिद को मिली आंबा केंद्र की सौगात- ग्राम पंचायत सोरिद के आश्रित ग्राम नागझर पहुंचने पर विधायक का ग्रामीणों ने आतिशबाजी और पुष्पगुच्छ के साथ भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने सोरिद एवं नागझर में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण किया और उन्हें बच्चों व माताओं को समर्पित किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों से आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव हैं, जहां बेहतर वातावरण मिलने से नौनिहालों का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने दोहराया कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव को मुख्यधारा से जोड़ना और बुनियादी ढांचा मजबूत करना उनका मुख्य लक्ष्य है। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति लेखराज धुर्वा, जनपद सदस्य पुष्पा सिन्हा, सरपंच चंद्रहास बरिहा, पूर्व सरपंच बिंदा ध्रुव, भाजपा मंडल अध्यक्ष खड़मा हेमंत सिन्हा, फिंगेश्वर के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष जगदीश यदु, भाजपा नेता राजू साहू, महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी चंदूलाल साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने विकास कार्यों के लिए विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से क्षेत्र में विकास की गति तेज हुई है।

विधायक रोहित साहू सरकड़ा में आयोजित मानस सम्मेलन में शामिल हुए

कलयुग में जो राम का, वही असल में काम का : रोहित साहू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

ग्राम पंचायत सरकड़ा में आयोजित तीन दिवसीय भव्य श्रीरामचरित मानसगान सम्मेलन में भक्ति की अविरल धारा बह रही है।आयोजन के विशेष अवसर पर क्षेत्र के विधायक रोहित साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।वे भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलन के साथ उन्होंने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा मानस गान की धुनों और श्रीराम के जयकारों से पूरा वातावरण धर्ममय हो गया है। रोहित साहू ने

कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम इस चराचर जगत के आधार हैं। सच तो यह है कि राम के बिना हम इस संसार की कल्पना भी नहीं कर सकते। सृष्टि के कण-कण में राम व्याप्त हैं और उनका चरित्र हम सभी के लिए

जीवन जीने की सर्वश्रेष्ठ पाठशाला है। आज के इस कलयुग में भटकाव बहुत है, लेकिन याद रखिएगा कलयुग में जो राम का, वही असल में काम का। जो व्यक्ति श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारता है, वही समाज और राष्ट्र के निर्माण में सही योगदान दे पाता है। भक्ति केवल मंदिरों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि हमारे व्यवहार और कर्मों में भी झलकनी चाहिए।ग्राम सरकड़ा में बह रही यह भक्ति की बयार इस बात का प्रमाण है कि हमारी संस्कृति और संस्कार आज भी जीवित हैं।मानस गान का यह आयोजन हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और नई पीढ़ी को मर्यादा का पाठ पढ़ाता है। इस अवसर पर

प्रमुख रूप से अनिता यदु, जगदीश यदु, सियाराम ध्रुव, उत्तम राजवंशी, राजू साहू, ग्राम पटेल समारु निषाद, ग्राम अध्यक्ष ओमप्रकाश ध्रुव, उपसरपंच शेखर निषाद, अशोक सेन, अमर सिंह, भोजराज, विश्वनाथ, लालचंद, गोविंद सिन्हा, डिगेश्वर तारक, रामानंद सिन्हा, आशाराम यादव, नागेश ध्रुव, रनसाय ध्रुव सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासियों की उपस्थिति रही।